दैनिक भास्कर
देश का विश्वसनीय अखबार

भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए : बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी (चिन्तक, विश्लेषक, समाजसेवी एवं उद्योगपति) ने किया कीर्तिमान स्थापित

भास्कर ब्यूरो

गुरुग्राम। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज खुद हैं, श्री माता वैष्णों देवी दरबार, गढ़ी हरसरू (गुरुग्राम) श्रद्धेय पूनम माता द्वारा संचालित एवं फ्लायर पार्क, सुशांत लोक, सी-ब्लाक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सो तीस लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विप्रवर (ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विराजमान थे।जी. एन. गोसाईं ने व्यास गद्दी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया, तदोपरांत सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया।समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया।उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर ह्रजयह्व शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है। जहाँ चार सो के करीब विप्रवर और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही, वहीं पूनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरबार गढ़ी हर सरु में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे, जिन्होंने सात-सात बार पाठ किया और प्रातः 7:30 बजे फ्लायर पार्क, सी-ब्लाक, सुशांत लोक, गुरुग्राम में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा यानि कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सबने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा।क्षबोध राज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बने वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे।

करण अमर भारती एक उम्मीद

बोधराज सीकरी ने किया कीर्तिमान स्थापित - 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ एक ही दिन में

भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए : बोधराज सीकरी

अमर भारती संवाददाता

गुरुग्राम। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज खुद हैं, श्री माता वैष्णों देवी दरबार, गढ़ी हरसरू (गुरुग्राम) श्रद्धेय पूनम माता द्वारा संचालित एवं फ्लावर पार्क, सुशांत लोक, सी-ब्लाक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सो तीस लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विप्रवर

(ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विराजमान थे।जी. एन. गोसाईं ने व्यास गद्दी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया, तदोपरांत सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया।समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया।उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर ह्रजयह्व शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है। जहाँ चार सो के करीब विप्रवर और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही, वहीं पूनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरबार गढ़ी हर सरु में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे, इस दौरान श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष ग्रोवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक चानना, छाबड़ा जी, राजेश शर्मा, दारा बुधिराजा, लीलू बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेंद्र गोसाई, अशोक सीकरी, सहगल और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे।

नये भारत का अखबार

गुड़गांव मेल

DAVP, Northern Rly., DIPR Haryana के विज्ञापनों के लिए अधिकृत हरियाणा के सभी जिलों, चण्डीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए : बोधराज सीकरी

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

गुड़गांव 22 फरवरी। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज खुद हैं, श्री माता वैष्णों देवी दरबार, गद्दी हरसरू (गुरुग्राम) श्रद्धेय पूनम माता द्वारा संचालित एवं फ्लावर पार्क, सुशांत लोक सी-ब्लाक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सौ तीस लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विप्रवर (ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विराजमान थे।

जी. एन. गोसाईं ने व्यास गद्दी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया, तदोपरांत सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया। समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया।

उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर जय शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है। जहाँ चार सौ के करीब विप्रवर और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही, वहीं पूनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरबार गद्दी हर सरु में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए

उपस्थित रहे, जिन्होंने सात-सात बार पाठ किया और प्रातः 7.30 बजे फ्लावर पार्क सी-ब्लाक, सुशांत लोक, गुरुग्राम में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा यानि कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सभी मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा।

बोध राज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बने वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। बोध राज सीकरी के कथनानुसार उनका प्रयास रहेगा कि आने वाले दिनों में वे कुछ और मंदिरों में भी इस प्रकार का भव्य आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का सन्देश युवा पीढ़ी को दिया जा सके। इसी कड़ी में अगले मंगलवार शिव मंदिर, कृष्णा कॉलोनी में एक आयोजन होगा जिसका समन्वय धर्मेंद्र बजाज और उनकी पत्नी ज्योत्सना बजाज करेंगी।

इस दौरान श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष ग्रोवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक चानना, छाबड़ा जी, गणेश शर्मा, दारा बुधिराजा, लीलू बुधिराज, सतपाल नासा, गजेंद्र गोसाईं, अशोक सीकरी, सहगल और कल्लू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे।

पंजाबी बिरादरी की ओर से ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल ग्रोवर, राज कुमार कथूरिया, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, उमेश ग्रोवर, अर्जुन नरूला, नरिंदर कथूरिया, विजय वर्मा, सतीश शर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रुचि बजाज, सुरेश सीकरी, शैल सीकरी, सोनिया मनचंदा, रितु छाबड़ा, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गान्धी, राज पाल नासा, सुदर्शन बजाज, रमेश कुमार कुमार आदि उपस्थित रहे। माँ वैष्णोदेवी दरबार गद्दी हर सरु का समन्वय डॉक्टर अलका चमचार शर्मा ने किया। इस भक्तिमय परिवेश में जन-जन के मन ने दिव्य और अलौकिक अनुभूति प्राप्त की।

Email : thedailymewat@yahoo.co.in

दैनिक मेवात

भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए : बोधराज सीकरी

www.gurgaontoday.in

गुड़गांव टुडे

एक दिन में 10000 बार हनुमान

चालीसा का पाठ कर युवा पीढ़ी को दी प्रेरणा

गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम। चिन्तक, विश्लेषक, समाजसेवी, उद्योगपति एवं न्यू कालोनी श्री श्याम जी मंदिर के प्रधान बोधराज सीकरी ने एक दिन में 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ कराकर युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने का काम किया है। उनका कहना है कि युवा पीढ़ी संस्कारवान बने और हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। पूनम माता द्वारा संचालित गढ़ी-हरसरू स्थित श्री माता वैष्णों देवी दरबार एवं फ्लायर पार्क सुशांत लोक सी-ब्लाक ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर न्यू कॉलोनी में करीब साढ़े 450 लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए। लगभग 200 ब्राह्मण भी इस आध्यात्मिक कार्य में शामिल हुए। जीएन गोसाई ने व्यास गद्दी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया। समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों की जानकारी दी। करीब 100 ब्राह्मणों और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही। बोध राज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए, ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बनें, वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। इस अवसर पर श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष ग्रोवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक चानना, छाबड़ा जी, राजेश शर्मा, दारा बुधिराजा, लीलू बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेंद्र गोसाई, अशोक सीकरी, सहगल और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। पंजाबी बिरादरी की ओर से ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल ग्रोवर, राजकुमार कथूरिया, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, उमेश ग्रोवर, अर्जुन नासा, नरिंदर कथूरिया, विजय बर्मा, सतीश बर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रुचि बजाज, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनिया सचदेव, बिनु छाबड़ा, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गाम्भी, राज पाल नासा, सुदर्शन बजाज, रमेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा (पलवल) एवं उत्तर-प्रदेश (बुलंदशहर एवं मुरादाबाद) से एक साथ प्रकाशित

देव केसरी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बोधराज सीकरी (चिन्तक, विश्लेषक, समाजसेवी एवं उद्योगपति) ने किया कीर्तिमान स्थापित -10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ एक ही दिन में कर दी युवा पीढ़ी को प्रेरणा

देव केसरी / अरविन्द चन्दन

गुरुग्राम। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज खुद हैं, श्री माता वैष्णों देवी दरबार, गढ़ी हरसरू(गुरुग्राम) श्रद्धेय पूनम माता द्वारा संचालित एवं फ्लायर पार्क, सुशांत लोक, सी-ब्लाक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सो तीस लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विप्रवर (ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विराजमान थे। जी. एन. गोसाई ने व्यास गद्दी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया, तदोपरांत सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया। समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया। उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर -जय- शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है। जहाँ चार सो के करीब विप्रवर और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही, वहीं पूनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरबार गढ़ी हरसरू में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे, जिन्होंने सात-सात बार पाठ किया और प्रातः 7-30 बजे फ्लायर पार्क, सी-ब्लाक, सुशांत लोक, गुरुग्राम में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा यानि कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सबने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा। बोध राज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बने वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। बोध राज सीकरी के कथनानुसार उनका प्रयास रहेगा कि आने वाले दिनों में वे कुछ और मंदिरों में भी इस प्रकार का भव्य आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का सन्देश युवा पीढ़ी को दिया जा सके। इसी कड़ी में अगले मंगलवार शिव मंदिर, कृष्णा कॉलोनी में एक आयोजन होगा जिसका समन्वय धर्मेंद्र बजाज और उनकी पत्नी ज्योत्सना बजाज करेंगी। इस दौरान श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष ग्रोवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक चानना, छाबड़ा जी, राजेश शर्मा, दास बुधिराजा, लीलू बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेंद्र गोसाई, अशोक सीकरी, सहगल और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। पंजाबी बिरादरी की ओर से ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल ग्रोवर, राज कुमार कथूरिया, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, उमेश ग्रोवर, अर्जुन नासा, नरिंदर कथूरिया, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रुचि बजाज, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनिया सचदेव, विनु छाबड़ा, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गान्धी, राज पाल नासा, सुदर्शन बजाज, रमेश कुमार -कुमार- आदि उपस्थित रहे। माँ वैष्णोदेवी दरबार गढ़ी हर सरु का समन्वय डॉक्टर अलका बधवार शर्मा ने किया।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 62787/2014

रण टाइम्स

भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए : बोधराज सीकरी

राजू गुप्ता

गुरुग्राम, (रण टाइम्स) । गुरुग्राम। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज खुद हैं, श्री माता वैष्णों देवी दरबार, गढ़ी हरसरू(गुरुग्राम) श्रद्धेय पूनम माता द्वारा संचालित एवं फ्लायर पार्क, सुशांत लोक, सी-ब्लाक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सो तीस लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विप्रवर (ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विराजमान थे। जी. एन. गोसाई ने व्यास गद्दी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया, तदोपरांत सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया।समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया। उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर ÷जय÷ शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है। जहाँ चार सो के करीब विप्रवर और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही, वहीं पूनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरबार गढ़ी हर सरु में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे, जिन्होंने सात-सात बार पाठ किया और प्रात: 7:30 बजे फ्लायर पार्क, सी-ब्लाक, सुशांत लोक, गुरुग्राम में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा यानि कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सबने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा। बोध राज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बने वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। बोध राज सीकरी के कथनानुसार उनका प्रयास रहेगा कि आने वाले दिनों में वे कुछ और मंदिरों में भी इस प्रकार का भव्य आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का सन्देश युवा पीढ़ी को दिया जा सके। इसी कड़ी में अगले मंगलवार शिव मंदिर, कृष्णा कॉलोनी में एक आयोजन होगा जिसका समन्वय धर्मेंद्र बजाज और उनकी पत्नी ज्योत्सना बजाज करेंगी। इस दौरान श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष ग्रोवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक चानना, छबड़ा जी, राजेश शर्मा, दारा बुधिराजा, लीलू बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेंद्र गोसाईं, अशोक सीकरी, सहगल और बबलू आदि उपस्थित रहे।

महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। पंजाबी बिरादरी की ओर से ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल ग्रोवर, राज कुमार कथूरिया, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, उमेश ग्रोवर, अर्जुन नासा, नरिंदर कथूरिया, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रुचि बजाज, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनिया सचदेव, विनु छबड़ा, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गान्धी, राज पाल नासा, सुदर्शन बजाज, रमेश कुमार कुमार आदि उपस्थित रहे। माँ वैष्णोदेवी दरबार गढ़ी हर सरु का समन्वय डॉक्टर अलका बधबार शर्मा ने किया।इस भक्तिमय परिवेश में जन-जन के मन ने दिव्य और अलौकिक अनुभूति प्राप्त की।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

बोधराज सीकरी (चिन्तक, विश्लेषक, समाजसेवी एवं उद्योगपति) ने किया कीर्तिमान स्थापित

10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ एक ही दिन में कर दी युवा पीढ़ी को प्रेरणा

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता
सतबीर भारद्वाज

गुरुग्राम। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज खुद हैं, श्री माता वैष्णों देवी दरबार, गढ़ी हरसरु(गुरुग्राम) श्रद्धेय पूनम माता द्वारा संचालित एवं फ्लावर पार्क, सुशांत लोक, सी-ब्लाक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सो तीस लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विप्रवर (ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विराजमान थे।

जी. एन. गोसाईं ने व्यास गद्दी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया, तदोपरांत सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया। समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया।

उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर "जय" शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है। जहाँ चार सो के करीब विप्रवर और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही, वहीं पूनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरबार गढ़ी हर सरु में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे, जिन्होंने सात-सात बार पाठ किया और प्रातः 7:30 बजे फ्लावर पार्क, सी-ब्लाक, सुशांत लोक, गुरुग्राम में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा यानि कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सबने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा।

बोध राज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बने वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। बोध राज सीकरी के कथनानुसार उनका प्रयास रहेगा कि आने वाले दिनों में वे कुछ और मंदिरों में भी इस प्रकार का भव्य आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का सन्देश युवा पीढ़ी को दिया जा सके।

इसी कड़ी में अगले मंगलवार शिव मंदिर, कृष्णा कॉलोनी में एक आयोजन होगा जिसका समन्वय धर्मेंद्र बजाज और उनकी पत्नी ज्योत्सना बजाज करेंगी। इस दौरान श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष ग्रोवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक चानना, छाबड़ा जी, राजेश शर्मा, दारा बुधिराजा, लीलू बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेंद्र गोसाईं, अशोक सीकरी, सहगल और बब्लू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहें। पंजाबी बिरादरी की ओर से ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल ग्रोवर, राज कुमार कथूरिया, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, उमेश ग्रोवर, अर्जुन नासा, नरिंदर कथूरिया, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रुचि बजाज, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनिया सचदेव, विनु छाबड़ा, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गान्धी, राज पाल नासा, सुदर्शन बजाज, रमेश कुमार "कमार" आदि उपस्थित रहे। माँ वैष्णोदेवी दरबार गढ़ी हर सरु का समन्वय डॉक्टर अलका बधवार शर्मा ने किया। इस भक्तिमय परिवेश में जन-जन के मन ने दिव्य और अलौकिक अनुभूति प्राप्त की।

- भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए : बोधराज सीकरी
- युवा पीढ़ी संस्कारवान बने और हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे : बोधराज

बुलंद खोज

सम्पादक-संजय सार्थक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

हनुमान चालीसा पाठ का किया गया आयोजन

भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए - बोधराज सीकरी

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। न्यू कालोनी के श्री श्याम मंदिर प्रबंधन समिति के प्रधान व पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी ने पूनम माता द्वारा गढ़ी हरसरु में संचालित माता वैष्णो देवी दरबार परिसर में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन कराया, जिसमें संस्था के प्रधान बोधराज सीकरी सहित श्री श्याम मंदिर के सैकड़ों सदस्य इस आयोजन में शामिल हुए और 200 ब्राह्मण इस आद्यात्मिक आयोजन में शामिल रहे। जीएन गौसाई से बड़ी भावपूर्ण शैली में श्री हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया, जिसके बाद 40 चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया गया। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला और उन्होंने कहा कि हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर जय शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है। सीकरी ने कहा कि हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बने। वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि आने वाले दिनों में वह कुछ और मंदिरों में भी इस प्रकार का भव्य आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का सन्देश युवा पीढ़ी को दिया जा सके। उन्होंने बताया कि जहां करीब 400 विप्रवर और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही, वहीं पूनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरबार में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे, जिन्होंने 7-7 बार पाठ किया और प्रात: 7:30 बजे फ्लावर पार्क, सी-ब्लाक, सुशांत लोक में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा यानि कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सबने मिलकर सामूहिक रूप से 10 हजार से अधिक बार पाठ पढ़ा। इसी कड़ी में अगले मंगलवार शिव मंदिर, कृष्णा कॉलोनी में एक आयोजन होगा जिसका समन्वय धर्मेंद्र बजाज और उनकी पत्नी ज्योत्सना बजाज करेंगी। इस अवसर पर श्याम मंदिर के रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष ग्रोवर, मदन सतीजा, बिंदि आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक चानना, छाबड़ा जी, राजेश शर्मा, दारा बुधिराजा, लीलू बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेंद्र गोसाई, अशोक सीकरी, सहगल और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। पंजाबी बिरादरी के वरिष्ठ उप प्रधान ओमप्रकाश कथूरिया, शमलाल ग्रोवर, राज कुमार कथूरिया, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, उमेश ग्रोवर, अर्जुन नासा, नरिंदर कथूरिया, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रुचि बजाज, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनिया सचदेव, विनु छाबड़ा, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गान्धी, राज पाल नासा, सुदर्शन बजाज, रमेश कुमार कुमार आदि उपस्थित रहे। माँ वैष्णोदेवी दरबार गढ़ी हर सरु का समन्वय डा. अलका बधवार शर्मा ने किया।

कार्यक्रम में शामिल बोधराज सीकरी व अन्य।

हरियाणा की आवाज़

एक दिन में 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ कर युवा पीढ़ी को दी प्रेरणा

गुरुग्राम (राकेश)। चिन्तक, विश्लेषक, समाजसेवी, उद्योगपति एवं न्यू कालोनी श्री श्याम जी मंदिर के प्रधान बोधराज सीकरी ने एक दिन में 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ कराकर युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने का काम किया है। उनका कहना है कि युवा पीढ़ी संस्कारवान बने और हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। पूनम माता द्वारा संचालित गढ़ी-हरसरू स्थित श्री माता वैष्णों देवी दरबार एवं फ्लायर पार्क सुशांत लोक सी-ब्लाक ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर न्यू कॉलोनी में करीब साढ़े 450 लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए। लगभग 200 ब्राह्मण भी इस आध्यात्मिक कार्य में शामिल हुए। जीएन गोसाईं ने व्यास गद्दी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया।

समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों की जानकारी दी। करीब 100 ब्राह्मणों और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही। वैष्णो देवी दरबार गढ़ी-हरसरू में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे। सुबह 7ः30 बजे फ्लायर पार्क में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार यानि 251 बार पाठ किया। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए। सभी ने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा।

बोध राज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए, ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बनें, वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। इस अवसर पर श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष ग्रोवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक चानना, छाबड़ा जी, राजेश शर्मा, दारा बुधिराजा, लीलू बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेंद्र गोसाई, अशोक सीकरी, सहगल और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। पंजाबी बिरादरी की ओर से ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल ग्रोवर, राजकुमार कथूरिया, धमेंद्र बजाज, रमेश कामरा, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, उमेश ग्रोवर, अर्जुन नासा, नरिंदर कथूरिया, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रुचि बजाज, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनिया सचदेव, विनु छाबड़ा, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गान्धी, राज पाल नासा, सुदर्शन बजाज, रमेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर

एक दिन में 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ कर युवा पीढ़ी को दी प्रेरणा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम।

चिन्तक, विश्लेषक, समाजसेवी, उद्योगपति एवं न्यू कालोनी श्रीश्यामजी मंदिर के प्रधान बोधराज सीकरी ने एक दिन में 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ कराकर युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने का काम किया है। उनका कहना है कि युवा पीढ़ी संस्कारवान बने और हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे।

पूनम माता द्वारा संचालित गढ़ी-हरसरू स्थित श्री माता वैष्णो देवी दरबार एवं फ्लायर पार्क सुशांत लोक सी-ब्लाक ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर न्यू कॉलोनी में करीब साढ़े 450 लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए। लगभग 200 ब्राह्मण भी इस आध्यात्मिक कार्य में शामिल हुए। जीएन गोसाईं ने व्यास गद्दी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया। समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों की जानकारी दी।

गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ करते साधक।

करीब 100 ब्राह्मणों और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही। वैष्णो देवी दरबार गढ़ी-हरसरू में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे। सुबह 7:30 बजे फ्लायर पार्क में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार यानि 251 बार पाठ किया। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए। सभी ने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा। बोध राज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्मकांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए, ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बनें, वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। इस अवसर पर श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष ग्रोवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक चानना, छाबड़ा जी, राजेश शर्मा, दारा बुधिराजा, लीलू बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेंद्र गोसाई, अशोक सीकरी, सहगल और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा टीम के साथ उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय दैनिक

जगत क्रान्ति

हनुमान चालीसा पाठ का किया आयोजन

जगत क्रान्ति ▶▶ एमके अरोड़ा

गुरुग्राम : न्यू कालोनी के श्री श्याम मंदिर प्रबंधन समिति के प्रधान व पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी ने पूनम माता द्वारा गढ़ी हरसरु में संचालित माता वैष्णो देवी दरबार परिसर में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन कराया, जिसमें संस्था के प्रधान बोधराज सीकरी सहित श्री श्याम मंदिर के सैकड़ों सदस्य इस आयोजन में शामिल हुए और 200 ब्राह्मण इस आद्यात्मिक आयोजन में शामिल रहे। जीएन गौसाईं से बड़ी भावपूर्ण शैली में श्री हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया, जिसके बाद 40 चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया गया। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला और उन्होंने कहा कि हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर जय शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है। सीकरी ने कहा कि हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बने।

आप का साथ हमारा विश्वास

एनसीआर टाइम

वीरवार | गुरूग्राम | दिनॉक : 23/2/23

10000 बार श्री हनुमांन चालीसा से गूंजा गुरूग्राम शहर

भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम (एनसीआर टाइम) गुरुग्राम के श्री श्याम मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज ख़ुद हैं, श्री माता वैष्णों देवी दरबार, गढ़ी हरसरू(गुरुग्राम) श्रद्धेय पूनम माता द्वारा संचालित एवं फ्लायर पार्क, सुशांत लोक, सी–ब्लाक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सो तीस लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विप्रवर (ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विराजमान थे। जी. एन. गोसाईं ने व्यास गद्दी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया, तदोपरांत सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया। समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया। उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर "जय" शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय–जयकार होती है। जहाँ चार सो के करीब विप्रवर और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही, वहीं पूनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरबार गढ़ी हर सरु में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे, जिन्होंने सात–सात बार पाठ किया और प्रातः 7:30 बजे फ्लायर पार्क, सी–ब्लाक, सुशांत लोक, गुरुग्राम में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7–7 बार पाठ पढ़ा यानि कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सबने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा। बोध राज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म–कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बने वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। बोध राज सीकरी के कथनानुसार उनका प्रयास रहेगा कि आने वाले दिनों में वें कुछ और मंदिरों में भी इस प्रकार का भव्य आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का सन्देश युवा पीढ़ी को दिया जा सके।

युवा पीढ़ी संस्कारवान बने और हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे : बोधराज सीकरी

इसी कड़ी में अगले मंगलवार शिव मंदिर, कृष्णा कॉलोनी में एक आयोजन होगा जिसका समन्वय धमेंद्र बजाज और उनकी पत्नी ज्योत्सना बजाज करेंगी। इस दौरान श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष ग्रोवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक चानना, छाबड़ा जी, राजेश शर्मा, दारा बुधिराजा, लीलू बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेंद्र गोसाई, अशोक सीकरी, सहगल और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। पंजाबी बिरादरी की ओर से ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल ग्रोवर, राज कुमार कथूरिया, धमेंद्र बजाज, रमेश कामरा, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, उमेश ग्रोवर, अर्जुन नासा, नरिंदर कथूरिया, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रुचि बजाज, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनिया सचदेव, विनु छाबड़ा, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गान्धी, राज पाल नासा, सुदर्शन बजाज, रमेश कुमार "कुमार" आदि उपस्थित रहे। माँ वैष्णोदेवी दरबार गढ़ी हर सरु का समन्वय डॉक्टर अलका बधबार शर्मा ने किया। इस भक्तिमय परिवेश में जन–जन के मन ने दिव्य और अलौकिक अनुभूति प्राप्त की।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए : बोधराज सीकरी

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज खुद हैं, श्री माता वैष्णो देवी दरबार, गद्दी हरसरू (गुरुग्राम) महंत पूनम माता द्वारा संचालित एवं फ्लावर पार्क, सुशांत लोक, सी ब्लाक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सौ तीस लोग उस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विप्रवर (ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विराजमान थे।

जी. एन. गोसाईं ने व्यास गद्दी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया, तदोपरांत सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया।

समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया।

उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर जय शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को संयमित रखता है इत्यादि की जय जयकार होती है। वहीं चार सौ के करीब विप्रवर और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही, वहीं पूनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरबार गद्दी हरसरू में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे, जिन्होंने सात-सात बार पाठ किया और प्रातः 7:30 बजे फ्लावर पार्क, सी ब्लाक, सुशांत लोक, गुरुग्राम में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़े यानि कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सबने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा।

बोध राज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बने वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखें। बोध राज सीकरी के कथनानुसार उनका प्रयास रहेगा कि आने वाले दिनों में वे कुछ और मंदिरों में भी इस प्रकार का भव्य आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का सन्देश युवा पीढ़ी को दिया जा सके।

इसी कड़ी में अगले मंगलवार शिव मंदिर, कृष्णा कॉलोनी में एक आयोजन होगा जिसका समन्वय धर्मेंद्र बजाज और उनकी पत्नी ज्योत्सना बजाज करेंगे।

इस दौरान श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष ग्रोवर, मदन मनोचा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक नागपाल, छाबड़ा जी, राजेश शर्मा, दास बुधिराजा, सोनू बुधिराजा, सतपाल नारंग, गजेंद्र गोसाईं, अशोक सीकरी, सहगल और बजाज आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नारंग अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे।

पंजाबी बिरादरी की ओर से ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल ग्रोवर, राज कुमार कथूरिया, धर्मेंद्र बजाज, रोश कालरा, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, उमेश ग्रोवर, अर्जुन नारंग, नरिंदर कथूरिया, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रुचि बजाज, सुरेश सीकरी, शीला सीकरी, सोनिया सचदेवा, बिनु छाबड़ा, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गान्धी, राज पाल नारंग, सुदर्शन बजाज, रोश कुमार कुमार आदि उपस्थित रहे। माँ वैष्णोदेवी दरबार गद्दी का मंच का समन्वय डॉक्टर अलका नागपाल शर्मा ने किया।

इस भक्तिमय परिवेश में जन-जन के मन ने दिव्य और अलौकिक अनुभूति प्राप्त की।

ज्योति दर्पण

Website : www.jyotidarpan.com

हिन्दी दैनिक

भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए-बोधराज सीकरी

युवा पीढ़ी संस्कारवान बने और हमारी पुरातन सनात वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे : बोधराज सीकरी

ajeybharat Wednesday, February 22, 2023

बोधराज सीकरी (चिन्तक, विश्लेषक, समाजसेवी एवं उद्योगपति) ने किया कीर्तिमान स्थापित - 10000 बार ह चालीसा का पाठ एक ही दिन में कर दी युवा पीढ़ी को प्रेरणा

गुरुग्राम। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज ख़ुद हैं, श्री माता वैष्णों देवी दरबार, गढ़ी हरसरू(गुरुग्राम) श्रद्धेय पूनम माता द्वारा संचालित एवं फ्लायर पार्क, सुशांत लोक, सी-ब्लाक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सो तीस लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विप्रवर (ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विराजमान थे।

जी. एन. गोसाईं ने व्यास गद्दी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया, तदोपरांत सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया।

समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया।

उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर "जय" शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है। जहाँ चार सो के करीब विप्रवर और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही, वहीं पूनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरबार गढ़ी हर सरु में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे, जिन्होंने सात-सात बार पाठ किया और प्रात: 7:30 बजे फ्लायर पार्क, सी-ब्लाक, सुशांत लोक, गुरुग्राम में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा यानि कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सबने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा।

Bodhraj Sikri – भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए

Viral Sach : श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान Bodhraj Sikri ख़ुद हैं, श्री माता वैष्णों देवी दरबार, गढ़ी हरसरू(गुरुग्राम) श्रद्धेय पूनम माता द्वारा संचालित एवं फ्लायर पार्क, सुशांत लोक, सी-ब्लाक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया।

श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सो तीस लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए. जिसमें लगभग 200 विप्रवर (ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विराजमान थे।

जी. एन. गोसाईं ने व्यास गद्दी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया. तदोपरांत सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया।

समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया।

उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर "जय" शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है।

जहाँ चार सो के करीब विप्रवर और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही, वहीं पूनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरबार गढ़ी हर सरु में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे, जिन्होंने सात-सात बार पाठ किया और प्रात: 7:30 बजे फ्लायर पार्क, सी-ब्लाक, सुशांत लोक, गुरुग्राम में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा यानि कि 251 बार।

इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सबने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा।

बोध राज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बने वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे।

बोध राज सीकरी के कथनानुसार उनका प्रयास रहेगा कि आने वाले दिनों में वें कुछ और मंदिरों में भी इस प्रकार का भव्य आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का सन्देश युवा पीढ़ी को दिया जा सके।

इस दौरान श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष ग्रोवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक चानना, छाबड़ा जी, राजेश शर्मा, द्वारा बुधिराजा, लीलू बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेंद्र गोसाईं, अशोक सीकरी, सहगल और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेरपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे।

पंजाबी बिरादरी की ओर से ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल ग्रोवर, राज कुमार कथूरिया, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, उमेश ग्रोवर, अर्जुन नासा, नरिंदर कथूरिया, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रुचि बजाज, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनिया सचदेव, विनु छाबड़ा, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गान्धी, राज पाल नासा, सुदर्शन बजाज, रमेश कुमार "कुमार" आदि उपस्थित रहे। माँ वैष्णोदेवी दरबार गढ़ी हर सरु का समन्वय डॉक्टर अलका बधवार शर्मा ने किया।